

**Q.P. Code – 32402**

**Fourth Semester B.A./B.S.W. Degree Examination, April/May 2019**

*(CBCS Scheme)*

**Language Hindi**

**Paper IV – UPANYAS, FILM REVIEW AND TRANSLATION**

*Time : 3 Hours]*

*[Max. Marks : 90*

I. एक शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. सुषमा की माँ उसका विवाह पहले किससे करवाना चाहती थी?
2. मीनाक्षी किसके साथ डिनर पर जा रही थी?
3. नील कहाँ काम करता था?
4. नील हॉलैंड जाने के विषय में सुषमा को किसने बताया?
5. डियरेस्ट को किसने मार दिया?
6. सुषमा के कितने भाई-बहन थे?
7. नारायण के बच्चे का नाम क्या है?
8. स्वाति कॉलेज में कौन-सी भाषा पढ़ाती थी?
9. सुषमा क्या काम करती थी?
10. 'पचपन खम्बे लाल दीवारें' उपन्यासकार का नाम बताइए।

II. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2 × 15 = 30)**

1. 'पचपन खम्बे लाल दीवारें' उपन्यास में स्त्री की मन स्थिति पर प्रकाश डालिए।
2. सुषमा का चरित्र-चित्रण कीजिए।
3. 'पचपन खम्बे लाल दीवारें' उपन्यास का सारांश लिखकर उसमें निहित रिशतों पर प्रकाश डालिए।

## Q.P. Code – 32402

III. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए।

(3 × 8 = 24)

1. नील
2. सुष्मा की माँ
3. मिनाक्षी
4. निरुपमा

IV. किन्हीं दो सिनेमाओं की समीक्षा कीजिए।

(2 × 8 = 16)

1. भाग मिल्खा भाग
2. 3 इंडियट्स
3. मंथन

V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(1 × 10 = 10)

Man does not live for himself alone. He lives for the good of others as well. Everyone has his duties to perform, the richest as well as the poorest. To some life is pleasure, to others suffering. But the best do not live for self enjoyment or even for fame. Their strongest motive power is to be hopeful and to do useful work to others. One has to cultivate the habit of thinking good of others and doing good to others. It is then a man can be happy for himself and make his surroundings also happy.

ಮಾನವನು ತನಗಾಗಿ ಮಾತ್ರ ಜೀವಿಸುವುದಿಲ್ಲ. ಅವನು ಬೇರೆಯವರ ಒಳಿತಿಗಾಗಿಯೂ ಬದುಕುತ್ತಾನೆ. ಶ್ರೀಮಂತನಾಗಲಿ, ಬಡವನಾಗಲಿ, ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬನು ತನ್ನ ಕರ್ತವ್ಯಗಳನ್ನು ನಿಭಾಯಿಸಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಕೆಲವರಿಗೆ ಬದುಕು ಸುಖಕರವಾಗಿದ್ದರೆ, ಕೆಲವರಿಗೆ ದುಃಖಮಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ಉತ್ತಮ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಸ್ವಂತ ಸುಖಕ್ಕಾಗಲಿ ಅಥವಾ ಕೀರ್ತಿಗಾಗಲಿ ಬದುಕುವುದಿಲ್ಲ. ಆಶಾವಾದಿಗಳಾಗಿರುವುದು, ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ಉಪಯೋಗವಾಗುವಂತೆ ಮಾಡುವುದೇ ಅವರ ಬದುಕಿನ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅನ್ಯರ ಒಳಿತಿನ ಬಗ್ಗೆ ಯೋಚಿಸುವುದು. ಅನ್ಯರಿಗೆ ಒಳಿತಾಗುವಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಅಭ್ಯಾಸ ಎಲ್ಲರೂ ಮಾಡಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಆಗ ಮಾತ್ರ ಮಾನವ ತಾನೂ ಸುಖವಾಗಿರಬಲ್ಲ ಮತ್ತು ತನ್ನ ಸುತ್ತಲಿನ ವಾತಾವರಣವನ್ನು ಸಹ ಸಂತೋಷವಾಗಿಡಬಲ್ಲ.